विश्व में समकालीन ज्योतिष का विस्तारित ब्रह्मांड

अंततः, समकालीन ज्योतिष एक निरंतर बहती हुई धारा है, जो परंपरा और आधुनिकता, विज्ञान और प्रतीकवाद, भौतिकता और आध्यात्मिकता, व्यक्तिगत अनुभव और सांस्कृतिक विरासत के बीच पुल का कार्य करती है। इसका स्वरूप अब केवल मंदिरों, पंचांगों और गुरुकुलों तक सीमित नहीं, बल्कि ऐप्स, काउंसलिंग रूम, पॉडकास्ट स्टूडियो और डिजिटल ब्रह्मांड में भी समाया हुआ है। यह न केवल एक शास्त्र है, बल्कि एक चेतना है–जो भूत, भविष्य और वर्तमान के साथ-साथ विज्ञान, दर्शन और सांस्कृतिक विमर्श की तीनों धाराओं को एक सूत्र में पिरोती है.

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

वर्तमान युग में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम भौतिकी, और जीनोम मैपिंग जैसे वैज्ञानिक विषय अपने चरम पर हैं, तब भी ज्योतिष—एक प्राचीन वैदिक विद्या—समकालीन समाज में प्रासंगिक बना हुआ है. यह एक विस्मयकारी तथ्य है कि एक ओर जहां वैज्ञानिक अनुसंधान और आधुनिक चिकित्सा मानव शरीर और मस्तिष्क की सूक्ष्मतम परतों का अध्ययन कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर लाखों लोग आज भी ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति को अपने जीवन की घटनाओं से जोड़कर देखना आवश्यक समझते हैं. यह तथ्य दर्शाता है कि समकालीन ज्योतिष न तो एक अतीतजीवी परंपरा है, और न ही केवल सांस्कृतिक अनुवांशिकता की निशानी—बल्कि यह एक ऐसा जीवंत और पुनर्रचित ज्ञान-तंत्र है, जो आत्म-संवेदनशीलता, भविष्य-निर्देशन और आंतरिक शांति की खोज में मानवीय चेतना का हिस्सा बना हुआ है.

समकालीन ज्योतिष की स्वीकार्यता इस बात में निहित है कि यह लगातार अपने आप को समयानुसार ढालता रहा है. जहाँ एक ओर पारंपरिक भारतीय वैदिक ज्योतिष अपने प्राचीन सूत्रों—जैसे बृहत्पाराशर होरा शास्त्र, जातक पारिजात, फलदीपिका आदि—पर आधारित है, वहीं दूसरी ओर समकालीन पश्चिमी ज्योतिष मनोविज्ञान, गेस्टाल्ट सिद्धांत, कार्ल जंग की आर्केटाइप थ्योरी, और यहां तक कि टारो कार्ड और न्यू-एज स्पिरिचुअलिज़्म से भी जुड़ता है. आज के युग में ज्योतिषी न केवल जन्मपत्री की गणना करता है, बल्कि वह काउंसलर, कोच, गाइड और कभी-कभी मानसिक चिकित्सक की भूमिका भी निभाता है. यह भूमिका परिवर्तन केवल व्यावसायिक नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना में आए परिवर्तन का भी द्योतक है, जहां लोग अब 'करनी-कथनी' से आगे बढ़कर 'समझने' की प्रक्रिया में रुचि ले रहे हैं.

डिजिटल युग में समकालीन ज्योतिष की उपस्थिति सर्वत्र है—मोबाइल ऐप्स, वेबसाइट, यूट्यूब चैनल, इंस्टाग्राम रील्स, पॉडकास्ट और ई-बुक्स के रूप में. अमेरिका और यूरोप के कई देशों में ऐसे ऐप्स (जैसे Co-Star, The Pattern, TimePassages, Sanctuary आदि) युवाओं के बीच अत्यधिक लोकप्रिय हो चुके हैं. इन ऐप्स का प्रयोग कर युवा न केवल अपने बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं, बल्कि वे अपने मित्रों, साझेदारों और सहकर्मियों की ज्योतिषीय संगतता की भी जांच करते हैं. यह एक प्रकार की 'ज्योतिषीय नेटवर्किंग' बन गई है, जो आधुनिक रिश्तों, करियर, और आत्म-जागरूकता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

भारत में भी यह तकनीकी पुनरावृत्ति तीव्र गति से हो रही है. विभिन्न ज्योतिष ऐप्स—जैसे Astrosage, GaneshaSpeaks, ClickAstro, और ज्योतिषीय चैनलों—ने युवाओं के बीच ज्योतिष को पुन: लोकप्रिय बना दिया है. साथ ही साथ, पारंपरिक गुरुकुलों से प्रशिक्षित आचार्यगण भी अब डिजिटल माध्यम से अपने शिष्यों तक पहुंचने लगे हैं. इस समकालीन परिप्रेक्ष्य में अब दो श्रेणियाँ स्पष्ट हो गई हैं—एक जो ज्योतिष को परंपरा की दृष्टि से मानती है, और दूसरी जो इसे आधुनिक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक जरूरतों की पूर्ति के एक उपकरण के रूप में देखती है. दोनों के बीच एक सेतु बन चुका है, जो ज्ञान और प्रयोग का सम्मिलन है.

समकालीन ज्योतिष में एक बड़ा परिवर्तन यह भी हुआ है कि अब यह केवल 'फल' तक सीमित नहीं, बल्कि यह 'स्व' के विश्लेषण की एक विधा बन चुका है. ज्योतिष की इस भूमिका को spiritual technology of the self (स्वयं की आध्यात्मिक प्रौद्योगिकी) कहा गया है. उदाहरण के लिए, जब कोई युवा व्यक्ति अपने लग्न, चंद्र, और सूर्य राशि के संयोजन को समझता है, तो वह केवल आने वाले सप्ताह की भविष्यवाणी नहीं पढ़ रहा होता, वह वास्तव में अपनी अंत:प्रवृत्तियों, संघर्षों और संभावनाओं को समझने का प्रयास कर रहा होता है. इसी कारण आजकल 'माइंडफुल एस्ट्रोलॉजी', 'शैडो एस्ट्रोलॉजी', 'इंटरसेक्शनल एस्ट्रोलॉजी' जैसी अवधारणाएं प्रचलित हो गई हैं.

इस समय भारत सहित विश्व के अनेक भागों में शैक्षणिक संस्थानों में ज्योतिष को एक विषय के रूप में स्वीकार किया गया है. विश्वविद्यालयों में 'Jyotirvigyan' विभागों की स्थापना, ऌष्ट द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों, और हृद्गह्ल-छ्त्रत्र जैसी परीक्षाओं में इसके समावेश से यह स्पष्ट है कि ज्योतिष अब केवल पूजा-पद्धति का अंग नहीं, बल्कि एक पूर्ण शास्त्र के रूप में स्वीकार्य होता जा रहा है. साथ ही साथ, असंख्य यूट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया पर जन-प्रचारित ज्योतिषियों ने भी जनमानस में इसकी पहुँच को व्यापक बनाया है, यद्यपि इनमें से कई मात्र मनोरंजन या सनसनी के स्तर पर रह जाते हैं.

समकालीन ज्योतिष का एक और महत्वपूर्ण पहलू है—परामर्शदायी भूमिका में उसका उद्भव. अब ज्योतिषी केवल एक 'प्रवक्ता' नहीं, बल्कि एक 'संवादकर्ता' है. वे ग्राहक के साथ एक गहन संवाद में प्रवेश करता है, जो केवल ग्रह-गोचर तक सीमित नहीं होता, बल्कि जीवन की घटनाओं, मानसिक आघातों, निर्णयों और संभावनाओं पर आधारित होता है. इस परामर्शात्मक दृष्टिकोण के कारण आज ज्योतिषियों को केवल 'ज्योतिष शास्त्र' का ज्ञाता नहीं, बल्कि जीवन के 'अनुभवी पथप्रदर्शक' के रूप में देखा जाने लगा है. यह बदलाव संपूर्ण समकालीन ज्योतिषीय परिदृश्य का सबसे सूक्ष्म, परंतु सबसे प्रभावशाली रूपांतरण है.

उत्तर दिशा में धातु का कछुआ शुभ, शयन कक्ष में रखने से बचें

वास्तु शास्त्र में घर की सुख-शांति और समृद्धि के लिए अनेक उपाय बताए गए हैं, जिनमें से एक है - घर में कछुए की स्थापना करना. कछुआ न केवल एक पवित्र और शांतिपूर्ण जीव है, बल्कि यह दीर्घायु, स्थायित्व, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक भी माना गया है. वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, यदि कछुए को सही दिशा और उचित सामग्री में रखा जाए तो यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर घर में सौभाग्य, संतुलन और शांति बनाए रखता है.

कछुआ रखने के मुख्य नियम- दिशा का चयन (उत्तर दिशा सर्वोत्तम)= वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में कछुए को उत्तर दिशा में रखना सबसे शुभ माना जाता है. उत्तर दिशा धन के देवता कुबेर की दिशा मानी जाती है. इस दिशा में कछुआ रखने से घर में आर्थिक उन्नति होती है, धन का आगमन बना रहता है और परिवार के सदस्यों के बीच मानसिक संतुलन भी बना रहता है. यह पारिवारिक स्थिरता और सौहार्द को भी बढ़ाता है.

सामग्री के अनुसार स्थान

पीतल या धातु का कछुआ-इसे उत्तर दिशा में रखना शुभ माना गया है. यह स्थायित्व, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है.

क्रिस्टल का कछुआ- इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखा जा सकता है. यह घर के रिश्तों में मधुरता लाने और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है.

लकड़ी का कछुआ- पूर्व दिशा में लकड़ी का कछुआ रखना शुभ फलदायक माना गया है. यह शिक्षा और करियर में प्रगति लाने वाला होता है.

आज मनाया जाएगा सुहाग का पावन पर्व

जानें पूजा विधि, मुहूर्त और पारण का समय

हर साल सावन के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाने वाला हरियाली तीज का पावन त्योहार महिलाओं के लिए बेहद खास होता है. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विधान है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन व्रत रखने से पारिवारिक जीवन में खुशहाली आती है और सुहागिन महिलाओं को अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है. हालांकि, इस दिन व्रत पूरे विधि-विधान से करना चाहिए. अगर आप भी हरियाली तीज का व्रत रखने जा रही हैं, तो चलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताते हैं कि घर में हरियाली तीज की पूजा कैसे करें, पूजा विधि क्या है, पूजा का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा और पारण कब किया जाएगा.

हरियाली तीज हर साल श्रावण शुक्ल तृतीया तिथि को मनाई जाती है. पंचांग के मुताबिक, सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया 26 जुलाई की रात 10ः44 मिनट से शुरू होकर आज की रात 10ः41 मिनट पर समाप्त होगी. ऐसे में उदया तिथि के आधार पर हरियाली तीज कल यानी 27 जुलाई को ही मनाई जाएगी.

हरियाली तीज का शुभ मुहूर्त क्या है?- वैदिक पंचांग के मुताबिक, पंचांग के मुताबिक, इस साल हरियाली तीज पूजा शुभ मुहूर्त 27 जुलाई को शाम 6ः31 से लेकर 7ः30 बजे विशेष रूप से लाभकारी रहेगा. 27 जुलाई को रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है, जो कि शाम 4ः23 बजे से शुरू होकर 28 जुलाई की सुबह 5ः40 बजे तक रहेगा. हरियाली तीज पर रवि योग में पूजा और व्रत करना बेहद शुभ होता है.

हरियाली तीज पूजा सामग्री- हरियाली तीज की पूजा में पीला वस्त्र, बेलपत्र, धतूरा, शमी के पत्ते, कच्चा सूता, नए वस्त्र, केले के पत्ते, आक का फूल, सूखा नारियल, सुपारी, कलश, अक्षत, दूर्वा, घी, कपूर, धूप-दीप, जनेऊ, पूजा की चौकी, तांबे और पीतल का कलश, चंदन, दूध, गंगाजल, पांच प्रकार के फल, मिठाई, शिव चालीसा, पंचामृत दही, मिश्री, शहद, हरियाली तीज व्रत की पुस्तक, साड़ी, कुमकुम, काजल, चुनरी, सिंदूर, बिंदी, चूड़ियां, बिछिआ, मेहंदी, दर्पण, इत्र और सोलह श्रृंगार से जुड़ी हर सामग्री की जरूरत पड़ती है.

हरियाली तीज की पूजा कैसे की जाती है?

- हरियाली तीज के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान कर हरे रंग के कपड़े पहनने चाहिए.
- इसके बाद पूजा स्थल को साफ करके वहां गंगाजल आपको छिड़कना चाहिए.
- फिर सुहागिन महिलाओं को 16 श्रृंगार करके पूजा स्थल पर बैठना चाहिए.
- इसके बाद एक चौकी पर शिव-पार्वती की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करनी चाहिए.
- पूजा स्थल पर बैठकर हरियाली तीज व्रत का संकल्प लें और पूजा शुरू करनी चाहिए.
- फिर भगवान शिव और माता पार्वती को फल, फूल, मिष्ठान आदि का भोग लगाना चाहिए.
- इसके बाद हरियाली तीज की व्रत कथा का पाठ करना चाहिए.
- भगवान शिव और मां पार्वती के मंत्रों का जाप और अंत में आरती जरूर करें.

फिर घर के लोगों को प्रसाद का वितरण करना चाहिए.

हरियाली तीज व्रत का पारण कब किया जाता है?

हरियाली तीज का व्रत निर्जला रखा जाता है और अगले दिन सुबह पूजा करके व्रत का पारण किया जाता है. हरियाली तीज व्रत के दिन सूर्योदय से पहले सरगी खाते हैं और फिर सूर्योदय के साथ ही निर्जला व्रत शुरू हो जाता है.हरियाली तीज भगवान शिव और देवी पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. यह त्योहार सावन महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को पड़ता है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और वैवाहिक सुख के लिए व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं.

काल सर्प दोष से मुक्ति का रामबाण उपाय

नाग पंचमी पर उज्जैन में पूजा का विशेष महत्व

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में बनने वाला काल सर्प दोष जीवन में अशांति और लगातार परेशानियों का कारण बनता है. इसे एक अत्यंत हानिकारक दोष माना गया है, जिसके चलते व्यक्ति को आर्थिक, शारीरिक, शिक्षा और संतान संबंधी समस्याओं सहित कई क्षेत्रों में बाधाओं का सामना करना पड़ता है. अक्सर लोग इस दोष को दूर करने के लिए विभिन्न उपाय करते हैं, लेकिन ज्योतिषियों का मानना है कि नाग पंचमी का दिन इसके निवारण के लिए सबसे उत्तम है.

काल सर्प दोष के प्रभाव

जिस व्यक्ति की कुंडली में काल सर्प दोष होता है, वह हर समय परेशानियों से घिरा रहता है और उसे किसी भी कार्य में आसानी से सफलता नहीं मिलती. यह दोष व्यक्ति के जीवन के कई महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे धन, स्वास्थ्य, शिक्षा और संतान सुख पर नकारात्मक प्रभाव डालता है.

निवारण का रामबाण उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, काल सर्प दोष से स्थायी मुक्ति का सबसे प्रभावी और एकमात्र उपाय %काल सर्प दोष निवारण पूजा% है. यह बताया गया है कि यह दोष जितना पुराना होता जाता है, उतना ही घातक होता जाता है, इसलिए जितनी जल्दी हो सके इस पूजा को करवाना चाहिए. अन्य उपाय जैसे मंत्रोच्चारण, शिवलिंग का दूध से अभिषेक या महादेव के मंदिर में पूजा-पाठ केवल दोष के प्रभाव को कम कर सकते हैं, लेकिन इससे पूर्ण मुक्ति नहीं मिलती.

उज्जैन का विशेष महत्व

काल सर्प दोष निवारण पूजा भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए की जाती है, क्योंकि सर्पों का निवास भगवान शिव के गले में होता है. इस पूजा को पूरा करने के बाद मात्र एक ही दिन में इस दोष से मुक्ति मिल सकती है. भारत में कई विशेष स्थानों पर काल सर्प दोष निवारण पूजा कराने का महत्व है, लेकिन मध्य प्रदेश के उज्जैन को इसके लिए सबसे उचित माना गया है. इसका कारण यह है कि यहां स्वयं कालों के काल महाकाल के रूप में भगवान शिव विराजमान हैं. यदि उज्जैन में काल सर्प दोष निवारण पूजा करवाई जाती है, तो शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं.

सावन में शिवजी की तस्वीर लगाने के विशेष नियम

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में देवी-देवताओं की तस्वीरें लगाने से सुख-शांति और समृद्धि आती है. खासकर भगवान शिव का प्रिय श्रावण मास शुरू हो चुका है, और इस पवित्र माह में घर में भगवान शिव की तस्वीर श्रद्धा और वास्तु के अनुसार लगाना विशेष रूप से मनोकामनाएं पूर्ण करने वाला और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाला माना जाता है.

सावन मास में लगाए गए चित्र से वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है और घर के सदस्यों को मानसिक शांति व सकारात्मकता प्राप्त होती है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव संहारकर्ता होते हुए भी करुणा और शीघ्र प्रसन्न होने वाले देव हैं. उनकी तस्वीर को घर में लगाना उनकी कृपा को आमंत्रित करने जैसा माना जाता है.

दिशा का चयन- वास्तु के अनुसार, भगवान शिव की तस्वीर घर की उत्तर या उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) दिशा में लगाना अत्यंत शुभ माना गया है, क्योंकि इस दिशा में सबसे ज्यादा सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है.

शांत और सौम्य मुद्रा- मानसिक शांति और संतुलन के लिए भगवान शिव की ध्यानमग्न मुद्रा, बैठी अवस्था, शिव-पार्वती परिवार या कैलाश पर्वत पर विराजित शिव की तस्वीर लगाना शुभ होता है.

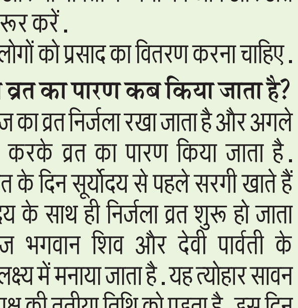

रौद्र या तांडव रूप वर्जित- वास्तु शास्त्र के अनुसार, शिव के तांडव, रौद्र या अघोर रूप की तस्वीरें घर में नहीं लगानी चाहिए.

मुख्य द्वार के समीप नहीं- घर के मुख्य द्वार पर भगवान शिव की कोई भी प्रतिमा नहीं लगानी चाहिए. इस स्थान पर भगवान गणेश की प्रतिमा लगाना शुभ रहता है, क्योंकि शिव की तस्वीर लगाने से ऊर्जा के प्रभावों में कमी आती है.

राशिफल

दिनांक- 27 जुलाई से 02 अगस्त तक

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास,
कोतवाली बाजार, जबलपुर मो.नं. 098266-21998

साप्ताहिक ग्रहस्थिति–इस सप्ताह सूर्य कर्क राशि में, मंगल सिंह राशि में ता. 28 को 6/55 शाम से कन्या राशि में, वक्री बुध कर्क राशि में, गुरू मिथुन राशि में, शुक्र वृषभ राशि में ता. 26 को 11/16 दिन से मिथुन राशि में, वक्री शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा कर्क सिंह कन्या और तुला राशि में संचरण करेगा.

ग्रहयोगों का प्रभाव:– इस सप्ताह दक्षिण भारत और पर्वतीय प्रदेश में अच्छी वर्षा का योग है. सोना, चांदी, रूई के व्यापार में घटाबढ़ी रहेगी, भांग, अफीम, मोती, मणि, ऊन के व्यापार में तेजी होगी.

पर्व-व्रत-त्यौहार :

रविवार	27 जुलाई को	हरियाली तीज, मधुश्रुवा तीज, झुला प्रारंभ
सोमवार	28 जुलाई को	विनायकी गणेश चतुर्थी व्रत, दुर्वागणपति व्रत, श्रावण सोमवार व्रत, महाकाल सवारी उज्जैन
मंगलवार	29 जुलाई को	नागपंचमी, चरक जयंती, मंगला गौरी व्रत

मेष

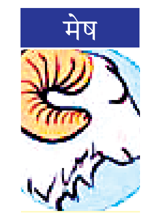

आपको अपने प्रयासों और मेहनत की बदौलत अच्छी सफलता मिलेगी, आपका मौलिक चिंतन आगे बढ़ने में आपकी मदद करेगा, कार्यक्षेत्र में आपको निरंतर सफलता मिलेगी, पारिवारिक व निजी जीवन में खुशियों का अनुभव होगा, जो लोग आपके कार्य में अड़चने खड़ी कर रहे हैं, वे सभी सहयोग करेंगे, मेहनत से लाभ प्राप्त करेंगे, बड़े निवेश के लिये सभी की राय जरूरी है.

वृषभ

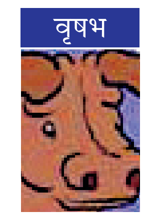

परिवार की खुशियों पर बड़ा खर्च होगा, जिसे आप पसंद करते हैं, उसके साथ कुछ समय गुजारकर खुशी मिलेगी, पारिवारिक उत्सवों में प्रसन्नता मिलेगी, उच्च अध्ययन में सफलता के आसार हैं, नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सफलता मिलेगी, कामकाज में सावधानी रखें, अपने बिखरे हुये कार्यो को समेटने में सफलता मिलेगी.

मिथुन

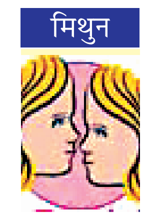

जिद में आकर गलत फैसला लेने से बचें, उच्च अध्ययन में सफलता मिलेगी, जिस योजना को लेकर काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफलता का योग है. नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते हैं, उन्नति की संभावना है, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी.

कर्क

आपका पूरा ध्यान अपने कैरियर व भविष्य की योजनाओं की ओर रहेगा, नई योजनाओं को पूरा करने में सभी का सहयोग रहेगा, लोगों को अपनी बात समझाने में सफल रहेंगे, राह में आ रही मुस्किलों का सामना करने पर कामयाबी मिलेगी, कार्य स्थल पर नई शुरूआत का अनुभव होगा. व्यस्तता के कारण परिवार को वक्त देना मुश्किल होगा.

सिंह

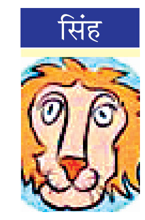

पुरानी परेशानी से छुटकारा मिलेगा, सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी. पार्टियों का दौर जारी रहेगा, दायरा बढ़ाने की कोशिश में रहेंगे. मौजमस्ती छोड़कर कुछ काम करने का मन बनेगा, संपत्ति संबंधी मामले सुलझेंगे, सप्ताहान्त में विरोधियों से सजग रहकर कार्य करें, बुजुर्ग की सलाह पर ध्यान दें.

कन्या

अभी तक की गई मेहनत का लाभ मिलेगा. पारिवारिक व सामाजिक जीवन में अपने संबंधों को फिर से घनिष्ठ बनाने में मदद मिलेगी, मानसिक संतोष हेतु कुछ दिन के लिये घर से दूर जा सकते हैं, पारिवारिक सुरक्षा हेतु निवेश करेंगे, कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मेलजोल बढ़ायें, यह आपके लिये फायदेमंद होगा. नई योजनाओं पर विचार होगा.

तुला

भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से बनेगा, अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिये आपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं, वे भी आपकी काबलियत की तारीफ करेंगे, सरकारी मामलों में कुछ विलंब हो सकता है, सौदे का मामला सुलझेगा.

वृश्चिक

इस सप्ताह आर्थिक मामलों से निपटना होगा, पुराने कर्जो से छुटकारा पाने के लिये आपको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना पड़ेगा. पारिवारिक आयोजनों में आप बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे, बच्चों के कैरियर को लेकर चिन्ता रह सकती है, मानसिक तनाव की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, जिस पर विश्वास कर रहे हैं, वे लोग आपका साथ छोड़ सकते हैं.

धनु

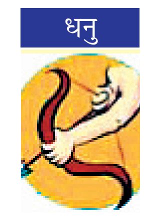

नये संपर्क और नये व्यक्ति लाभदायक रहेंगे, आप सिर्फ लाभ पर ही ध्यान नहीं देंगे, अपितु रिश्तेबनाने का भी प्रयास करेंगे. आर्थिक स्थिति में सुधार के कारण दूसरों के कार्य में ध्यान देंगे, किसी कार्य के लिये की गई यात्रा लाभदायक सिद्ध होगी, अपने लगाव व नजरिये में बदलाव का अवसर मिलेगा, व्यक्तिगत जीवन में कार्य में सामंजस्य से आप कामयाब रहेंगे.

मकर

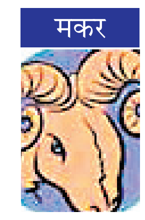

आपका यह सप्ताह प्रगति व सफलता लेकर आ रहा है, जो सपने आप देख रहे हैं उन्हें पूरा करने की राह बनेगी, अपनी वरिष्ठता और सामर्थ्य से ज्यादा जिम्मेदारी आने से आपका तनाव बढ़ सकता है, समाज में महत्वपूर्ण स्थान बनाने मे सफल रहेंगे, दूसरों की मदद कर अपने मन को खुशी देंगे, कार्यस्थल पर अनिश्चय का माहौल बना रहेगा, संबंधों की फिर से समीक्षा करनी होगी.

कुम्भ

इस सप्ताह निजी संबंधों पर ध्यान देने का भरपूर समय मिलेगा, पुराने दोस्तों से मुलाकातों का दौर चलेगा, किसी भी योजना को आप इस तरह से अंजाम देंगे कि लोग आपकी तारीफकरेंगे, खर्च की अधिकता रहेगी, आपको आय के नये स्त्रोत तलाशना पड़ेंगे, घूमने का कार्यक्रम बन सकता है, दूसरों की मर्यादा का ध्यान रखें.

मीन

आपको अपनी अभिरूचियों व खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा, आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार अपने कार्य बनाते चले जायेंगे, भाग्य भी आपकी मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास में वृद्धि होगी, कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यो में आपकी रूचि बढ़ेगी, तरक्की की उॅचाईयों पर पहुंचेंगे, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों को भी पूरा महत्व देंगे.